Q

Printed Pages : 8

B.A./B.Sc./B.Com. (Part-I)

Roll No. : .....

4103

B.A./B.Sc./B.Com. (Part-I) (Annual) NEP Examination, 2022

(New Course)

HINDI LITERATURE

[Paper : First]

(Hindi Kavya)

Time : Two Hours] **[Maximum Marks : 75**

निर्देश : यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों अ,ब एवं स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड अ, ब एवं स क्रमशः **9, 36** एवं **30** अंकों के हैं। अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों, तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

खण्ड-अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देशः इस खण्ड में केवल एक प्रश्न है जिसके पाँच उप-प्रश्न हैं। **किन्हीं** तीन उप-प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा **50** शब्द है। प्रत्येक उप-प्रश्न **3** अंकों का है। [3x3=9]

https://www.prsuonline.com

1. (क) आदिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) विद्यापति की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) सूरदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(घ) केशवदास को आचार्य कवि क्यों कहा जाता है?

(ङ) अज्ञेय के कवि-व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड-ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देशः इस खण्ड में प्रश्न सं. **2** के अन्तर्गत कुल **7** उप-प्रश्न है। इस खण्ड से केवल **4** उप-प्रश्न करने अनिवार्य हैं। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा **225** शब्द है। प्रत्येक उप-प्रश्न **9** अंकों का है।

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किन्हीं चार** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : [9x4=36]

(क) देख देख राधा रूप अपार ।

अपरूप के बिहि आनि मिलाओल

https://www.prsuonline.com

खिति-तल लावनि-सार ।।

अंगहि अंग अनंग मुरछ्यत

हेरए पड़ए अथीर ।

मनमथ कोटि-मथन करू जे जन,

से हेरि महि-मधि गीर ।।

(ख) पीछैं लागा जाइ था, लोक बेद के साथि ।

आगैं थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।

(ग) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ ।

जा तन की झाँई परै, स्याम हरित-दुति होइ ।।

(घ) वह तोड़ती पत्थर;

देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर -

वह तोड़ती पत्थर।

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

श्याम तन, भर बँधा यौवन,

https://www.prsuonline.com

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार -

सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

(ङ) भूल-गलती

आज बैठी है जिरहबख्तर पहनकर

तख्त पर दिल के;

चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,

आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर सी,

खड़ी हैं सिर झुकाए

सब कतारें

बेजुबाँ बेबस, सलाम में,

अनगिनत खंभों व मेहराबों- थमें

दरबारे आम में।।

https://www.prsuonline.com

(च) निधरक बैठि कहइ कटु बानी।

सुनत कठिनता अति अकुलानी।।

जीभ कमान बचन सर नाना।

मनहुँ महिप मृदु लच्छ समाना।।

जनु कठोर पनु धरें सरीरू।

सिखइ धनुष-विद्या बर बीरू।।

(छ) अमल धवल गिरि के शिखरों पर

बादल को घिरते देखा है।

छोटे-छोटे मोती जैसे

उसके शीतल तुहिन कणों को

मानसरोवर के उन स्वर्णिम

कमलों पर गिरते देखा है।

बादल को घिरते देखा है।

https://www.prsuonline.com

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: इस खण्ड में प्रश्न संख्या **3** के अन्तर्गत कुल **4** उप-प्रश्न हैं। इस खण्ड से केवल **2** उप-प्रश्न करना अनिवार्य है। इसमें प्रत्येक उप-प्रश्न की शब्द सीमा **475** शब्द है। प्रत्येक उप-प्रश्न **15** अंकों का है। [15x2=30]

3. (क) मलिक मुहम्मद जायसी के विरह-वर्णन पर प्रकाश डालिए।

(ख) घनानंद 'प्रेम की पीर' के कवि हैं, सिद्ध कीजिए।

(ग) हिन्दी नव-जागरण में भारतेन्दु हरिश्चंद्र के योगदान को बताइए।

(घ) धूमिल की जनवादी-चेतना पर प्रकाश डालिए।

----- x -----

https://www.prsuonline.com